Original Article
ISSN (Online): 2582-7472

ShodhKosh: Journal of Visual and Performing Arts
January-June 2024 5(1), 2076–2080

EFFORTS MADE BY THE GOVERNMENT TO RUN EDUCATION SMOOTHLY DURING THE CORONA EPIDEMIC: A STUDY

कोरोना महामारी के दौरान शिक्षा को सुचारू रूप से चलाने के लिए सरकार द्वारा किए गए प्रयास: एक अध्ययन

Bhavna Kumari [1], Laxmi Mishra [2]

[1] Research Student, Department of Education, IFTM University, Moradabad, India
[2] Assistant Professor, Department of Education, IFTM University, Moradabad, India

ABSTRACT

English: In this research paper, we will study the effects of the corona epidemic and know what effect it had on education in all the schools of the country. Its effect was that the education system in all the schools came to a halt. The government took immediate action to deal with all these things and various options were chosen to run education smoothly. All sections of the society were affected due to the corona epidemic, but the section that was most affected was the education world. Covid-19 (Corona virus) is a terrible infection, which spreads from people coming in contact with each other. This virus started from China in the year 2019. The first case of this infection was reported in China on 8 November. After this, this infection engulfed the whole world including China. The Covid-19 pandemic has greatly affected the world's economy, educational system and social level. The study of the research paper has concluded that various efforts were made by the government to run education smoothly during Covid 19 and some challenges had to be faced.

Hindi: इस शोध पत्र में हम कोरोना महामारी के प्रभावों का अध्ययन करेंगे और जानेंगे कि देश के सभी स्कूलों में शिक्षा पर इसका क्या प्रभाव पड़ा। इसका प्रभाव यह हुआ कि सभी स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था ठप्प हो गई। सरकार ने इन सभी चीजों से निपटने के लिए तुरंत कार्रवाई की और शिक्षा को सुचारू रूप से चलाने के लिए विभिन्न विकल्पों को चुना गया। कोरोना महामारी के कारण समाज के सभी वर्ग प्रभावित हुए, लेकिन सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाला वर्ग शिक्षा जगत था। कोविड-19 (कोरोना वायरस) एक भयानक संक्रमण है, जो लोगों के एक-दूसरे के संपर्क में आने से फैलता है। इस वायरस की शुरुआत साल 2019 में चीन से हुई थी। इस संक्रमण का पहला मामला 8 नवंबर को चीन में सामने आया था। इसके बाद इस संक्रमण ने चीन समेत पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले लिया। कोविड-19 महामारी ने विश्व की अर्थव्यवस्था, शैक्षणिक व्यवस्था और सामाजिक स्तर को बहुत प्रभावित किया है। शोध पत्र के अध्ययन से यह निष्कर्ष निकला है कि कोविड 19 के दौरान शिक्षा को सुचारू रूप से चलाने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न प्रयास किए गए और कुछ चुनौतियों का सामना भी करना पड़ा।

Corresponding Author
Bhavna Kumari,
dalitutkarshsamiti@gmail.com

DOI
10.29121/shodhkosh.v5.i1.2024.4922

Funding: This research received no specific grant from any funding agency in the public, commercial, or not-for-profit sectors.

Copyright: © 2024 The Author(s). This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

With the license CC-BY, authors retain the copyright, allowing anyone to download, reuse, re-print, modify, distribute, and/or copy their contribution. The work must be properly attributed to its author.

OPEN ACCESS

Keywords: Corona Virus, Pandemic, Impact, Effort, Education कोरोना वायरस, महामारी, प्रभाव, प्रयास, शिक्षा

1. प्रस्तावना

पूरे विष्व ने कोरोना वायरस महामारी को झेला है। शायद ही विष्व का कोई ऐसा देष होगा जिसने कोरोना वायरस महामारी को न झेला हो। इस महामारी ने विष्व की सभी व्यवस्थाओं को बुरी तरह से प्रभावित किया है- जैसे, शैक्षिक, जगत, समाजिक व्यवस्था, अर्थव्यवस्था आदि। UNESCO(2020) के अनुसार इस महामारी ने लगभग 1.6 बिलियन छात्रों की शिक्षा को प्रभावित किया। इस महामारी के प्रकोप ने लाखो लोगो की जान भी ली। सबसे अधिक इस महामारी ने षिक्षा जगत को प्रभावित किया। इस महामारी के कारण षिक्षा व्यवस्था पूरी तरह से ठप हो गई थी।

औपचारिक षिक्षा पर इस कोरोना महामारी का बहुत बुरा प्रभाव पड़ा। कोविड-19 के कारण स्कूल पूरी तरह से बंद करने पड़े थे। भारत में 32 करोड़ से अधिक छात्र प्रभावित हुए (डव्म्, 2021)। कोविड-19 साँस द्वारा फैलने वाली एक माहामारी है। यह बीमारी एक दूसरे के संपर्क में आने से फैलती है। इसी कारण सरकार को बहुत कठोर निर्णय लेने पड़े। इसी कारण देष में संपूर्ण लाॅकडाउन लगाया गया। लाॅकडाउन के कारण देष के सभी विद्यालय, सिनेमा हाल, होटल, पार्क, स्वूमिंगपूल इत्यादि अनिष्चित काल तक संपूर्ण रूप से बंद कर दिए गए। लोग घरो में कैद हो कर रह गए। परन्तु षिक्षा को चलाने के लिए सरकार द्वारा आनलाईन क्लास का आयोजन कराया गया। इसका मुख्य उद्देष्य था षिक्षा को सुचारू रूप से चलाना। परन्तु आनलाईन षिक्षा भी सभी स्थानो पर नहीं पहुच पाई। दिसम्बर 2019 को इसकी शुरूआत हुई, यूनिसेफ 2020 की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में लगभग 463 करोड़ बच्चे ऐसे है जो लाकडाउन के दौरान आनलाइन षिक्षा का लाभ नही उठा सके। षिक्षा का वास्तविक अर्थ है सीख। षिक्षा युवा पीढ़ी को जीवन कौषल प्रदान करती है और साथ ही उन्हे जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देती है। षिक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है जो पूरे जीवन भर चलती रहती हैं।

2. महामारी का इतिहास

चीन के वुहान प्रान्त में अज्ञात कारणों से निमोनिया नामक बीमारी के रूप में सामने आई। 7 जनवरी 2020 को चीन के अधिकारियों द्वारा एक नये वायरस ;ै।त्ै.ब्वट.2द्ध पाया गया ;ॅभ्व्ए2020द्ध। विष्व स्वास्थ्य संगठन ने 30 जनवरी, 2020 को इसे अन्तरर्राष्टीय स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया और बाद में 11 मार्च 2020 को इसे पूर्ण रूप से महामारी घोषित किया गया ;ॅभ्व्ए2020द्ध। भारत जैसे देष में यह अपनी चरम सीमा पर था और पहला मामला 30 जनवरी 2020 को केरल में देखने को मिला। मार्च 2020 में भारत सरकार ने इस बीमारी को फैलने से रोकने के लिये राष्ट्र व्यापी लाॅक डाउन लगाने का फैसला लिया ;डवभ्थ्ॅद्ध। हालाकि इसकी पहली लहर 2020 में अपने चरम पर थी, लेकिन अप्रैल-मई 2021 में सेल्टावैरिएट द्वारा दूसरी लहर ने पूरे देष में स्वास्थ्य सेवा प्राणालियों को प्रभावित किया ;द लैसेट 2021द्ध। अस्पातालों में जीवन रूपी दवायें, बिस्तरों, आॅक्सीजन और चिकित्सा आपूर्ति की भारी कमी हो गयी, जिस कारण काफी व्यक्तियों की जान चली गयीं। राष्ट्र के अन्दर जनवरी 2021 में शुरू किया गया टीकाकरण अभियान के कारण, बाद की लहरों को कम करने में महत्वपूर्ण रहा। अक्टूबर 2021 तक, भारत ने 1 बिलियन से अधिक वैक्सीन दवाई दी 2021 थीं (डवभ्थ्ॅ, 2021)। (विश्व स्वास्थ्य संगठन, 2021) ने घोषणा की कि ब्व्टप्क्-19 अब वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल नहीं है, हालाँकि यह एक सतत स्वास्थ्य खतरा बना हुआ है। कोविड-19 महामारी के बाद की स्थितियों और महामारी की तैयारियों के संबंध में दीर्घकालिक प्रभावों का अध्ययन अभी भी जारी हैं।

2.1. सम्बंधित शोध साहित्य का अध्यन

यूनिसेफ 2000 के निष्कर्ष पर पाया गया है कि भारत में लगभग 286 मिलियन स्कूली छात्र शिक्षा से वंचित एवं प्रभावित हुए हैं, जो डिजिटल शिक्षा के महत्व को उजागर करता है। शुक्ला एवं शर्मा (2021) में निष्कर्ष में पाया - भारत सरकार ने मुख्यतः तीन स्तरीय रणनीति अपनाई-

1. डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास
2. वैकल्पिक शिक्षक माध्यमों का प्रसार
3. शिक्षक क्षमता निर्माण

के पी सिंह (2022) के अनुसार शोध अध्ययन में यह पाया गया है की दीक्षा पोर्टल ने महामारी के दौरान 80 मिलियन से अधिक हिट्स प्राप्त किए हैं जो इसकी प्रासंगिकता को दर्शाता है राय एवं अन्य (2021) के अनुसार ग्रामीण भारत पर किए गए अध्ययन से निष्कर्ष प्राप्त हुआ है कि केवल 24 प्रतिषत छात्र ही डिजिटल संसाधनों तक पहुंच रखते हैं मेहता (2022) में रेडियो शिक्षा कार्यक्रम के द्वारा अध्ययन में पाया कि, यह विशेष रूप से दूर दराज के क्षेत्र में प्रभावित रहा। पटेल (2021) में निष्कर्ष के रूप में पाया कि 45 प्रतिषत शिक्षकों को तकनीकी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इन शोध अध्ययनों से यह पता चलता है कि सरकारी प्रयासों ने शिक्षा की निरंतरता को बनाए रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है साथ ही डिजिटल विभाजन और चुनौतियां इसमें प्रमुख बाधाएं बनी रही।

2.2. समस्या कथन

“कोरोना महामारी के दौरान शिक्षा को सुदृढ़ रूप से चलाने हेतु सरकार द्वारा किए गए प्रयास’’।

उद्देष्य

1. महामारी के दौरान षिक्षा को बढ़ावा देने एवं इसे सुदृढ़ रूप से चलाने हेतु सरकार द्वारा किए गए प्रयासों का विष्लेषण करना।
2. कोविड-19 महामारी में लॉकडाउन के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में किये गये प्रयासों का अध्ययन करना।
3. सरकार द्वारा उठाए गए अलग. अलग प्रयासों व उपायों का अध्ययन करना।

4. कोविड-19 महामारी के दोरान उत्त्पन्न हुई चुनौतियों का अध्ययन कर सुझाव प्रस्तुत करना।

क्रिया विधि:

अध्ययन हेतु आँकड़ो का संकलन, कोरोना वायरस महामारी के सन्दर्भ में अधिकृत सूचनाएँ व आँकड़े उपलब्ध कराने वाली राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय एजेंसी व वेवसाइट से किया गया है।

3. सरकार द्वारा किए गए प्रयास

कोरोना वायरस महामारी के दुष्प्रभाव को रोकने के लिए एवं षिक्षा को बढ़ावा देने हेतु भारत सरकार द्वारा कई प्रयास किए गए। केन्द्र सरकार ने 20 मार्च 2020 को लाकडाउन लगा दिया, जिसके तहत सभी षिक्षण संस्थान बंद कर दिए गए। रेस्ट्रा, सिनेमाहाल, सार्वजनिक स्थानों को पूरी तरह से बंद कर दिया गया। सार्वजनिक सम्मेलन पर भी पूरी तरह से रोक लगा दी गई। लोग घरों में बंद हो कर रह गए। स्कूल, कालेज, इत्यादि अनिष्चित काल तक बंद कर दिए गए। जिससे षिक्षा पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ा। बच्चों की षिक्षा को सुचारू रूप से चलाने के लिए सरकार द्वारा बहुत से प्रयास किए गए जो निम्नलिखित है:-

1) **ऑनलाइन षिक्षा:** महामारी के दौरान बच्चे पूर्ण रूप से षिक्षा ग्रहण करें, इसके लिए सरकार ने सभी स्कूलों और विष्वविद्यालयों को ऑनलाइन षिक्षा से जोड़ा। इसके अंतर्गत सभी शैक्षिक कार्यक्रम आनलाइन रूप से चलाए गए। ऑनलाइन षिक्षा के अंतर्गत लाखो विद्यार्थियों में एक नई उम्मीद जागी। मोबाइल और लैपटॉप के माध्यम से सभी षिक्षण कार्यक्रम चलाए गए। यहाँ तक कि परीक्षाएँ भी ऑनलाइन मोड में ही कराई गई। पहले तो षिक्षकों और विद्याार्थियों दोनो को ही इस में थोड़ी परेषानियों का सामना करना पड़ा क्योंकि कुछ षिक्षकों को डिजिटल टेकनालाजी नहीं समझ में आती थी। परन्तु धीरे-धीरे इस में सभी प्रषिक्षित हो गए। ऑनलाइन षिक्षा कोरोना महामारी के दौरान एक नई उम्मीद की किरण ले कर आई। इस प्रक्रिया से षिक्षण कार्यक्रम सुचारू रूप से चलने लगे।

2) **दीक्षा पोर्टल:** क्ज्ञैभ्। (डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर फॉर नॉलेज शेयरिंग) स्कूली षिक्षा के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रषिक्षण परिषद् ;छब्म्त्ज्द्ध की एक पहल है। दीक्षा के माध्यम से देष भर के षिक्षार्थी एवम् अध्यापक लाभ उठा सकते है, वर्तमान में यह 36 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है। प्रत्येक राज्य/केन्द्र शासित प्रदेष दीक्षा मंत्र को अपनी आवष्यकता अनुरूप पोषित करते हैं, क्योंकि इसमे षिक्षकों, षिक्षार्थियों और प्रषासको के लिए कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाने/तैयार करना और उनके प्रचालन की सुविधा है। इस पोर्टल पर षिक्षकों को ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनो तरीकों से प्रषिक्षण प्राप्त होगा। पाठ्य सामग्री को 'क्यू आर' कोड के माध्यम से भी देखा जा सकता है। इसका 'एप' जिसे गुगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है।

3) **स्वयं पोर्टल:** SWAYAM (स्टडी वेब्स ऑफ़ एक्टिव लार्निंग फॉर यंग एस्पोयरिंग मांइडस) यह भारत का अपना (मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स प्लेटफार्म है, जो छात्रो/षिक्षार्थियों को लगभग सभी विषयों पर मुफ्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम प्रदान करता है। स्वयं भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक कार्यक्रम है, जिसे षिक्षा नीति के तीन मुख्य सिद्धान्तों, पहुँच, समता और गुणवत्ता को प्राप्त करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह विद्यार्थियों के लिए बनाया गया एक नि:षुल्क पोर्टल है जिस पर 9वीं कक्षा से लेकर स्नातकोत्तर तक के कोर्स उपलब्ध है। इस पर प्रमाण पत्र भी प्राप्त हो जाते है।

4) **ई-पाठ्षाला:** ई-पाठशाला, मानव संसाधन विकास मंत्रालय सरकार की एक संयुक्त पहल है। भारत और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रषिक्षण परिषद् को नंवबर 2015 में पाठ्यपुस्तकों, आडियों, वीडियों, पत्रिकाओं और अन्य प्रिंट और गैर-प्रिंट सामग्री सहित सभी शैक्षिक ई-संसाधनों के प्रदर्षन और प्रसार के लिए विकसित किया गया है। ई-पाठषाला से छात्रों को सभी कक्षाओं के लिए डिजिटल पाठ्यपुस्तकों और पूरक पुस्तकों सहित ग्रेडेड षिक्षण सामग्री तक पहुँच के माध्यम से लाभ मिलता है। यह प्लेटफ्रॉम उन्हें घटनाओ के बारे में सूचित रहने और विभिन्न ई-संसाधनां, जैसे ऑडियो, वीडियों, इंटरेक्टिव, चित्र, मानचित्र और प्रष्न बैंको तक पहुँच प्राप्त करने में सक्षम बनाता है।

5) **राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी:**राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी एक ऑनलाइन लाइब्रेरी है इसकी सहायता से देष का कोई भी छात्र 70 लाख से अधिक किताबों को पढ़ सकता है। यह भारत की सबसे बड़ी ऑनलाइन लाइब्रेरी है।

6) **स्वयं प्रभा:**यह 24ग7 आधार पर देष में सभी जगह डायरेक्ट टू होम ;क्पतमबज जव भ्वउम.क्ज्भ्द्ध के माध्यम से 32 उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षिक चैनल प्रदान करने की एक पहल है। इसका उद्देष्य गुणवत्ता वाले षिक्षण संसाधनों को दूरदराज के ऐसे क्षेत्रों तक पहुँचाना है जहाँ इंटरनेट की उपलब्धता आज भी एक चुनौती है। स्वयं प्रभा का प्रारम्भ 09 जुलाई 2017 को किया गया जिसमें कला, विज्ञान, वाणिज्य, मानविकी सामाजिक विज्ञान के साथ-साथ इंजीनियरिंग, प्रोद्योगिकी कानून, चिकित्सा, कृषि, आदि आधारित पाठ्यक्रम दिखाए जाते है।

4. निष्कर्ष

कोविड-19 महामारी ने भारत की शिक्षा प्रणाली के लिए अभूतपूर्व चुनौतियाँ खड़ी कीं, जिसके कारण सरकार को सीखने की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए बहुआयामी हस्तक्षेप लागू करने पड़े। जैसा कि यूनेस्को (2021) ने बताया, भारत की प्रतिक्रिया विकासशील देशों में सबसे व्यापक थी, जिसमें विविध छात्र आबादी तक पहुँचने के लिए डिजिटल और गैर-डिजिटल समाधानों को मिलाया गया। दीक्षा प्लेटफॉर्म, स्वयं मूक्स और ई-पाठशाला

डिजिटल संसाधनों ने शहरी और डिजिटल रूप से जुड़े छात्रों (शिक्षा मंत्रालय, (2021) को सफलतापूर्वक पूरा किया, साथ ही, पीएम ई.विद्या पहल के 12 समर्पित टीवी चैनलों और सामुदायिक रेडियो कार्यक्रमों ने ग्रामीण क्षेत्रों में उल्लेखनीय पहुँच का प्रदर्शन किया, जिससे लगभग 25 मिलियन छात्रों को सेवा मिली (एनसीईआरटी, 2021)। हालांकि, जैसा कि विश्व बैंक (2022) ने उजागर किया, लगातार चुनौतियां उभरीं, खासकर डिजिटल डिवाइड के संबंध में। एएसईआर की 2021 की रिपोर्ट से पता चला है कि केवल 24 प्रतिषत ग्रामीण परिवार ही डिजिटल शिक्षा तक पहुंच पा रहे हैं, जिससे महत्वपूर्ण समानता अंतराल उजागर होता है। निष्ठा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षक क्षमता निर्माण ने आशाजनक परिणाम दिखाए, जिसमें 62 प्रतिषत प्रशिक्षित शिक्षकों ने बेहतर डिजिटल शिक्षण कौशल का प्रदर्शन किया (NCERT 2021) हालाँकि, जैसा कि विश्व बैंक (2022) ने उजागर किया है, लगातार चुनौतियाँ उभर कर सामने आईं, खास तौर पर डिजिटल डिवाइड के संबंध में। । ASER की 2021 की रिपोर्ट से पता चला है कि केवल 24 प्रतिषत ग्रामीण परिवार ही डिजिटल शिक्षा तक पहुँच सकते हैं, जिससे महत्वपूर्ण समानता अंतर उजागर होता है। निष्ठा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षक क्षमता निर्माण ने आशाजनक परिणाम दिखाए, जिसमें 62 प्रतिषत प्रशिक्षित शिक्षकों ने बेहतर डिजिटल शिक्षा कौशल (NCERT) 2022) का प्रदर्शन किया, फिर भी बुनियादी ढाँचे की सीमाओं ने पूर्ण कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न की। महामारी की प्रतिक्रिया ने शिक्षा नीति के लिए बहुमूल्य सबक दिए हैं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का मिश्रित शिक्षा पर जोर अब दूरदर्शी प्रतीत होता है। (एमएचआरडी 2020) भविष्य की रणनीतियों को प्राथमिकता देनी चाहिए, वंचित क्षेत्रों में डिजिटल बुनियादी ढांचे का विस्तार करना, विविध शिक्षार्थियों के लिए स्थानीयकृत सामग्री विकसित करना, प्रौद्योगिकी-एकीकृत निर्देश के लिए शिक्षक की तैयारी को मजबूत करना जैसा कि लिनिसेफ (2022) अनुशंसा करता है, लचीली शिक्षा प्रणालियों में निवेश करना भविष्य के संकटों में सीखने के नुकसान को कम करने के लिए महत्वपूर्ण होगा।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

एमएचआरडी (2020), राष्ट्रीय शिक्षा नीति कार्यान्वयन दिशा निर्देश।
एनसीईआरटी (2021), वैकल्पिक शिक्षण विधियों का प्रभाव आकलन।
एनसीईआरटी (2022), निष्ठा शिक्षक प्रशिक्षण मूल्यांकन।
शिक्षा मंत्रालय (2021), डिजिटल शिक्षा पहल पर वार्षिक रिपोर्ट।
विश्व बैंक (2022), भारत में शिक्षा की कमी को संबोधित करना।
विश्व बैंक (2022), भारत में शिक्षा की कमी को संबोधित करना।
यूनेस्को (2020), शिक्षा पर ब्व्टप्क्-19 का प्रभाव।
यूनेस्को (2021), कोविड-19 के दौरान शिक्षारू भारत केस स्टडी।
यूनिसेफ (2022), लचीली शिक्षा प्रणाली का निर्माण।
ASER (2021), शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट।
Di pietro et al, 2020 Di Pietro, G.Biagi, F CostaP, Etal (2020) the likely Impanct of COvid-19 on education, reflections based on the Exiting literature and recent international Date sets.
Donnelly R., Patrinos H.A. Is the covid-19 slide in education real? World bank blogs 2020 https//blogsworldbank.org/education/covid-19-slide.
Engzell P., Frey A, Verhagen M.D. Learing loss due to school closures during the covid-19 pandenic Proceedings of the national academy of sciences 2021: 118(17).
Fredriksson, M, and Ihlen O(2018) Introduction Public Relations an social theory 1 In Public Relations and social theory (PP.1-16) Routledge.
Singh, K.P., (2022). Effectiveness of DIKSHA Portal. Journal IJSE.
Mehta (2022). Radio Education in Remote Areas. EJED.
MHRD Notice (2020) covid-19 stay safe- digital initiative retrived from https//www.mohfw.gov.in in pat/covid-19pdf.
MHRD (2020). PM eVIDYA Scheme Guidelines.
Ministry of Education, India (2020). Initiatives for Digital Education.
MoHFW, India (2020). "COVID-19 Containment Guidelines"
NCERT (2021). Alternative Learning Methods Report and 22.
NISHTHA Teacher Training Evaluation.
NCERT (2021). NISHTHA Teacher Training Program Report.
NCERT (2022). NISHTHA Program Evaluation.Patel (2021).
Teachers' Challenges in Online Teaching. Research paper, IJER.
Rao et al (2021). Digital Divide in Rural Education. EPW.
Son C Hyed, S.Smith A. Wang X (2020) effect of covid-19 on college students mental health in the United States interview survey study Journal of medical internal Research 22(9]https//do.org/10.21.96/21279.

Son C Hyed, S.Smith A. Wang X (2020) effect of covid-19 on college students mental health in the United States interview survey study Journal of Medical internal Research 22(9]https//do.org/10.21.96/21279.
Shukla & Sharma (2021). Digital Education Initiatives in India. JEP.
The Lancet (2021). "India's COVID-19 emergency"
Unicef (2020) education and covid-19 data, unicef org/topic/education and covid-19.
UNICEF (2020). Education during COVID-19 in India.
WHO (2020). "Statement on the second meeting of the International Health Regulations Emergency Committee regarding COVID-19"
WHO (2022) WHO Corona virus (Covid-19) dashboard worls health organization covid-19 WHO int.